Total Pages : 3 **Roll No. ----------**

DVK-101

कर्मकाण्ड एंव मुहुर्त्त परिचय

Diploma in Vedic Karmkand (DVK)

प्रथम वर्ष, सत्र जून 2022

Time: 2 Hours Max. Marks: 100

नोट : यह प्रश्न पत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड –क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2 x 26 = 52]

Q.1. मूर्तिपूजा एंव देवपूजन विधान से आप क्या समझते हैं? विस्तार पूर्वक लिखिए।

P.T.O.

Q.2. धर्मसूत्र एंव स्मृति का विस्तार से उल्लेख कीजिए।

अथवा

षटकर्म से आप क्या समझते है? विस्तृत व्याख्या कीजिए।

Q.3. पंच महायज्ञ से आप क्या समझते हैं। विस्तार से वर्णन कीजिए।

Q.4. पुराण किसे कहते हैं व पुराण कितने होते हैं, विस्तार पूर्वक परिचय दीजिए।

अथवा

वेद शब्द से क्या तात्पर्य है। विस्तार से वर्णन कीजिए।

Q.5. पंचांग किसे कहते हैं प्रयोजन व परिचय दीजिए।

अथवा

धार्मिक कृत्यों में पंचांग की उपादेयता का वर्णन कीजिए।

खण्ड – ख

लघु उत्तरों वाले प्रश्न

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बाराह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4 x 12 = 48]

Q.1. नित्य कर्म से क्या तात्पर्य है स्पष्ट कीजिए।

Q.2. पंच महायज्ञों का परिचय दीजिए।

Q.3. गृहस्थों के पंच महायज्ञों कौन–कौन से हैं। व्यावहारिक रूप में उनका क्या महत्व है।

Q.4. वैदिक साहित्य का परिचय दीजिए।

अथवा

नक्षत्रों का परिचय दीजिए।

Q.5. नामकरण संस्कार का परिचय दीजिए।

Q.6. उपनयन संस्कार का परिचय दीजिए।

Q.7. चूडाकरण संस्कार का महत्व लिखिए।

Q.8. विवाह मुहूर्त का परिचय दीजिए।

अथवा

प्रातः कालीन कृत्य कर्मों के बारे में बताइए।

****